



千家詩評注

# 千家诗评注

谷一然 评注

人民文学出版社  
一九九九年·北京

(京)新登字 002 号

**图书在版编目(CIP)数据**

千家诗评注 / 谷一然评注 . - 北京 : 人民文学出版社, 1999.3

ISBN 7-02-002904-3

I. 千… II. 谷… III. 古体诗 - 注释 - 中国 - 古代 IV. I222.7

中国版本图书馆 CIP 数据核字 (1999) 第 00540 号

人 民 文 学 出 版 社 出 版

(100705 北京朝内大街 166 号)

军 事 科 学 院 印 刷 厂 印 刷 新 华 书 店 发 行

字数 178 千字 开本 850×1168 毫米 1/32 印张 8.125 插页 2

1999 年 3 月北京第 1 版 1999 年 3 月北京第 1 次印刷

印 数 1-10000

定 价 12.00 元

## 编写说明

《千家诗》是明清两代最流行的蒙学读本之一，故历来就有“三”（《三字经》）、“百”（《百家姓》）、“千”（《千字文》），“千”（《千家诗》）的说法，由此可见，它在传播传统文化方面曾经起过不可忽视的作用。

追溯《千家诗》的源流，最早的传本当为署作刘克庄编选的《分门纂类唐宋时贤千家诗选》，刘克庄（1187—1269），字潜夫，号后村居士，故此书又名《后村千家诗》。这个选本共二十二卷，分时令、节候、气候、昼夜、百花、竹林、天文、地理、宫室、器用、音乐、禽兽、昆虫、人品十四门，每一门中又分子目，分别选录唐五代及宋人的律诗与绝句，尤以宋诗为多，所选多脍炙人口之作，但或许因为这个选本分类过于细琐、卷帙较繁，加之此书往往擅自删削，如王维、杜甫等人的七律往往截去一半，成为绝句，因此它流传并不广泛。在清代前期流行的是在此基础上增删修订而成的《增修重订千家诗》，此书分上下两集，上集七言绝句，下集七言律诗，署谢枋得选、王相注。谢枋得为南宋人，而此书收有明人作品，故一般认为题作谢枋得选是伪托。王相，字晋升，明清间江西临川人，编有《女四书》、《尺牍嚙鸣集》。与此书先后出现的还有一种署为王相编选注释的《新镌五言千家诗》。这两种书一选七言，一选五言，书坊为了便于村塾学童的学习，将二者合刊在一起，署为谢枋得编、王相注，这便是今天流行的《千家诗》。

《千家诗》所收作品，都是五、七言绝句和律诗，且绝大多数

是唐宋诗人的名篇，这些诗作题材丰富，篇幅短小，文字浅显，易于记诵，在编排上亦很有特点，因而历来为人们所喜爱，得以长期流传而不衰，至今仍有其生命力。但王相的注释颇为浮浅，时有谬说，故后来的重注本颇多。此次整理，据通行本加以校勘，注释力求简明，着重解决字词难点，有时也作些串讲；简评或介绍写作背景，或分析思想内涵，或鉴赏艺术特色，有话则长，无话则短，希望对读者全面了解每首作品能有所助益；作者简介按时代先后排列，集中附于书后，以便于读者查阅。由于水平有限，注释评析中难免有不当之处，欢迎读者批评指正。

编 者

一九九八年十月十二日

## 目 录

编写说明 ..... (1)

### 七言绝句

|      |         |
|------|---------|
| 春日偶成 | 程颢(3)   |
| 春日   | 朱熹(3)   |
| 春宵   | 苏轼(4)   |
| 城东早春 | 杨巨源(5)  |
| 春夜   | 王安石(6)  |
| 初春小雨 | 韩愈(7)   |
| 元日   | 王安石(8)  |
| 上元侍宴 | 苏轼(9)   |
| 立春偶成 | 张栻(10)  |
| 打球图  | 晁说之(10) |
| 清平调词 | 李白(12)  |
| 题邸间壁 | 郑会(13)  |
| 绝句   | 杜甫(14)  |
| 海棠   | 苏轼(15)  |
| 清明   | 杜牧(16)  |
| 清明   | 魏野(17)  |
| 社日   | 王驾(18)  |
| 寒食   | 韩翃(19)  |
| 江南春  | 杜牧(20)  |
| 上高侍郎 | 高蟾(21)  |
| 绝句   | 僧志南(22) |

|        |         |
|--------|---------|
| 游小园不值  | 叶绍翁(23) |
| 客中行    | 李白(24)  |
| 题屏     | 刘季孙(24) |
| 漫兴     | 杜甫(25)  |
| 庆全庵桃花  | 谢枋得(26) |
| 玄都观桃花  | 刘禹锡(27) |
| 再游玄都观  | 刘禹锡(28) |
| 滁州西涧   | 韦应物(29) |
| 花影     | 谢枋得(30) |
| 北山     | 王安石(31) |
| 湖上     | 徐元杰(31) |
| 漫兴     | 杜甫(32)  |
| 春晴     | 王驾(33)  |
| 春暮     | 曹幽(33)  |
| 落花     | 朱淑真(34) |
| 春暮游小园  | 王淇(35)  |
| 莺梭     | 刘克庄(36) |
| 暮春即事   | 叶采(37)  |
| 登山     | 李涉(37)  |
| 蚕妇吟    | 谢枋得(38) |
| 晚春     | 韩愈(39)  |
| 伤春     | 杨万里(40) |
| 送春     | 王令(41)  |
| 三月晦日送春 | 贾岛(41)  |
| 客中初夏   | 司马光(42) |
| 有约     | 赵师秀(43) |
| 初夏睡起   | 杨万里(43) |
| 三衢道中   | 曾几(44)  |
| 即景     | 朱淑真(45) |

|              |         |
|--------------|---------|
| 初夏游张园        | 戴复古(45) |
| 鄂州南楼书事       | 黄庭坚(46) |
| 山亭夏日         | 高骈(47)  |
| 田家           | 范成大(48) |
| 村居即事         | 翁卷(48)  |
| 题榴花          | 朱熹(49)  |
| 村晚           | 雷震(50)  |
| 书湖阴先生壁       | 王安石(50) |
| 乌衣巷          | 刘禹锡(51) |
| 送元二使安西       | 王维(52)  |
| 与史郎中钦听黄鹤楼上吹笛 | 李白(53)  |
| 题淮南寺         | 程颢(54)  |
| 秋月           | 朱熹(55)  |
| 七夕           | 杨朴(56)  |
| 立秋           | 刘翰(57)  |
| 秋夕           | 杜牧(58)  |
| 中秋月          | 苏轼(58)  |
| 江楼感旧         | 赵嘏(59)  |
| 题临安邸         | 林升(60)  |
| 晓出净慈寺送林子方    | 杨万里(60) |
| 饮湖上初晴后雨      | 苏轼(61)  |
| 入直召对选德殿赐茶而退  | 周必大(62) |
| 夏日登车盖亭       | 蔡确(62)  |
| 直玉堂作         | 洪咨夔(63) |
| 竹楼           | 李嘉祐(64) |
| 直中书省         | 白居易(65) |
| 观书有感         | 朱熹(66)  |
| 泛舟           | 朱熹(66)  |
| 冷泉亭          | 林稹(67)  |

|        |         |
|--------|---------|
| 赠刘景文   | 苏轼(68)  |
| 枫桥夜泊   | 张继(69)  |
| 寒夜     | 杜耒(70)  |
| 霜月     | 李商隐(70) |
| 梅      | 王淇(71)  |
| 早春     | 白玉蟾(72) |
| 雪梅(其一) | 卢梅坡(72) |
| 雪梅(其二) | 卢梅坡(73) |
| 答钟弱翁   | 牧童(74)  |
| 泊秦淮    | 杜牧(75)  |
| 归雁     | 钱起(76)  |
| 题壁     | 无名氏(77) |

### 七言律诗

|        |         |
|--------|---------|
| 早朝大明宫  | 贾至(81)  |
| 和贾舍人早朝 | 杜甫(82)  |
| 和贾舍人早朝 | 王维(83)  |
| 和贾舍人早朝 | 岑参(84)  |
| 上元应制   | 蔡襄(86)  |
| 上元应制   | 王珪(87)  |
| 侍宴     | 沈佺期(88) |
| 答丁元珍   | 欧阳修(90) |
| 插花吟    | 邵雍(91)  |
| 寓意     | 晏殊(92)  |
| 寒食书事   | 赵鼎(93)  |
| 清明     | 黄庭坚(94) |
| 清明     | 高翥(95)  |
| 效行即事   | 程颢(96)  |
| 秋千     | 僧惠洪(97) |

|                |          |
|----------------|----------|
| 曲江(其一) .....   | 杜甫(98)   |
| 曲江(其二) .....   | 杜甫(99)   |
| 黄鹤楼.....       | 崔颢(100)  |
| 旅怀.....        | 崔涂(101)  |
| 答李儋.....       | 韦应物(102) |
| 江村.....        | 杜甫(103)  |
| 夏日.....        | 张耒(104)  |
| 辋川积雨.....      | 王维(105)  |
| 新竹.....        | 陆游(106)  |
| 表兄话旧.....      | 窦叔向(107) |
| 偶成.....        | 程颢(108)  |
| 游月陂.....       | 程颢(109)  |
| 秋兴(其一).....    | 杜甫(110)  |
| 秋兴(其三).....    | 杜甫(111)  |
| 秋兴(其五).....    | 杜甫(112)  |
| 秋兴(其七).....    | 杜甫(113)  |
| 月中泛舟.....      | 戴复古(115) |
| 长安秋望.....      | 赵嘏(115)  |
| 新秋.....        | 杜甫(116)  |
| 中秋.....        | 李朴(117)  |
| 九日蓝田崔氏庄.....   | 杜甫(118)  |
| 秋思.....        | 陆游(119)  |
| 南邻.....        | 杜甫(121)  |
| 闻笛.....        | 赵嘏(122)  |
| 冬景.....        | 刘克庄(123) |
| 小至.....        | 杜甫(124)  |
| 梅花.....        | 林逋(125)  |
| 左迁至蓝关示侄孙湘..... | 韩愈(126)  |
| 干戈.....        | 王中(127)  |

|      |          |
|------|----------|
| 归隐   | 陈抟(128)  |
| 山中寡妇 | 杜荀鹤(129) |
| 送天师  | 朱权(130)  |
| 送毛伯温 | 朱厚熜(131) |

### 五言绝句

|           |          |
|-----------|----------|
| 春晓        | 孟浩然(135) |
| 访袁拾遗不遇    | 孟浩然(135) |
| 送郭司仓      | 王昌龄(136) |
| 洛阳道       | 储光羲(137) |
| 独坐敬亭山     | 李白(138)  |
| 登鹳雀楼      | 王之涣(139) |
| 观永乐公主入蕃   | 孙逖(140)  |
| 春怨        | 金昌绪(141) |
| 左掖梨花      | 丘为(141)  |
| 思君恩       | 令狐楚(142) |
| 题袁氏别业     | 贺知章(143) |
| 夜送赵纵      | 杨炯(143)  |
| 竹里馆       | 王维(144)  |
| 送朱大入秦     | 孟浩然(145) |
| 长干曲       | 崔颢(146)  |
| 咏史        | 高适(146)  |
| 罢相作       | 李适之(147) |
| 逢侠者       | 钱起(148)  |
| 江行无题      | 钱珝(149)  |
| 答李浣       | 韦应物(150) |
| 秋风引       | 刘禹锡(151) |
| 秋夜寄丘二十二员外 | 韦应物(151) |
| 秋日        | 耿𣲗(152)  |

- 秋日湖上 ..... 薛莹(153)  
宫中题 ..... 李昂(153)  
寻隐者不遇 ..... 贾岛(154)  
汾上惊秋 ..... 苏颋(155)  
蜀道后期 ..... 张说(156)  
静夜思 ..... 李白(157)  
秋浦歌 ..... 李白(157)  
赠乔侍御 ..... 陈子昂(158)  
答武陵太守 ..... 王昌龄(159)  
行军九日思长安故园 ..... 岑参(160)  
婕妤怨 ..... 皇甫冉(161)  
题竹林寺 ..... 朱放(162)  
过三间庙 ..... 戴叔伦(162)  
于易水送人 ..... 骆宾王(163)  
留卢秦卿 ..... 司空曙(164)  
答人 ..... 太上隐者(165)

### 五言律诗

- 幸蜀回至剑门 ..... 李隆基(169)  
和晋陵陆丞早春游望 ..... 杜审言(170)  
蓬莱三殿侍宴奉敕咏终南山 ..... 杜审言(171)  
春夜别友人 ..... 陈子昂(173)  
长宁公主东庄侍宴 ..... 李峤(174)  
恩赐丽正殿书院宴应制得林字 ..... 张说(175)  
送友人 ..... 李白(176)  
送友人入蜀 ..... 李白(177)  
次北固山下 ..... 王湾(178)  
苏氏别业 ..... 祖咏(179)  
春宿左省 ..... 杜甫(180)

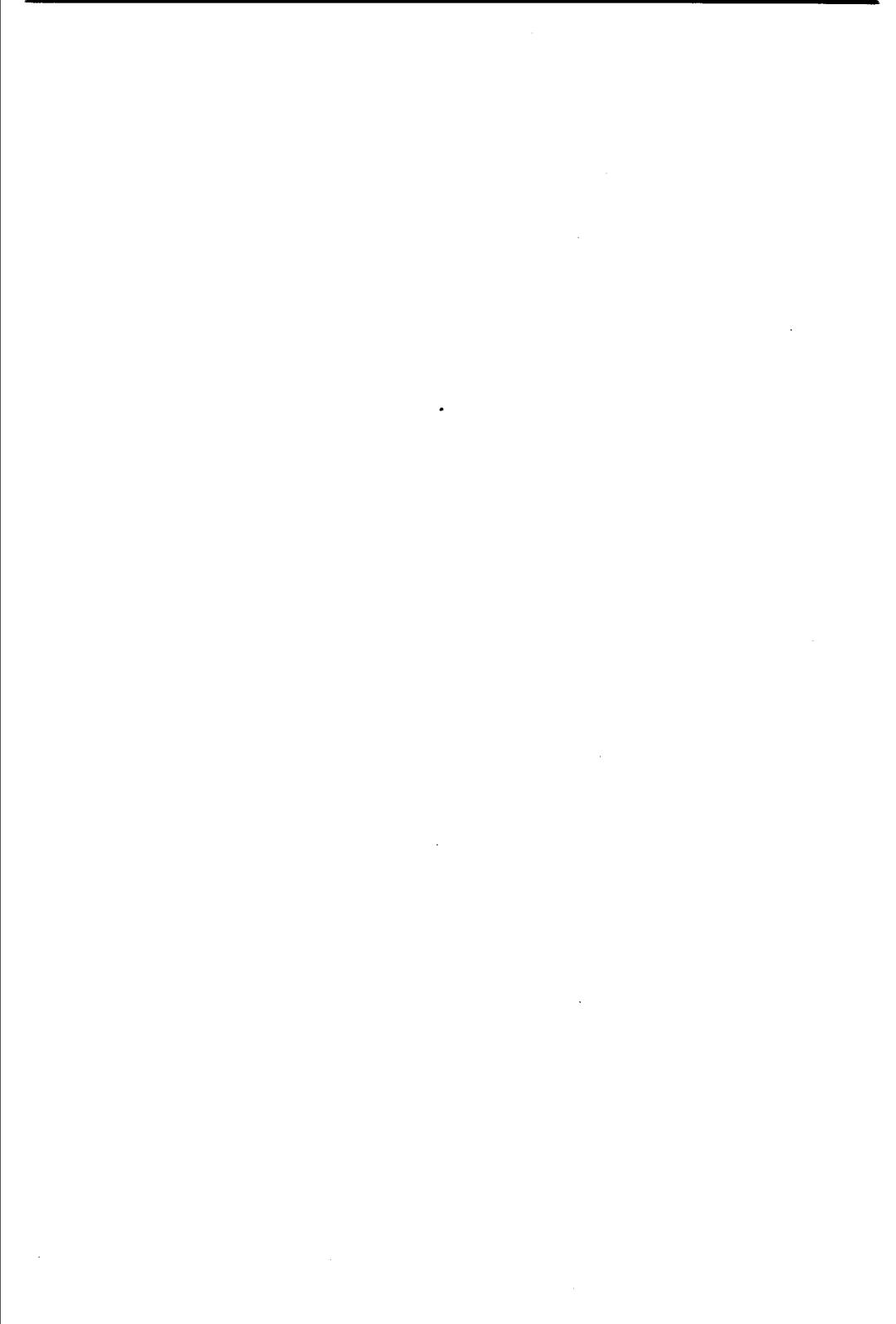
|                      |          |
|----------------------|----------|
| 题玄武禅师屋壁              | 杜甫(181)  |
| 终南山                  | 王维(182)  |
| 寄左省杜拾遗               | 岑参(183)  |
| 登总持阁                 | 岑参(184)  |
| 登兖州城楼                | 杜甫(185)  |
| 送杜少府之任蜀州             | 王勃(186)  |
| 送崔融                  | 杜审言(187) |
| 扈从登封途中作              | 宋之问(189) |
| 题义公禅房                | 孟浩然(190) |
| 醉后赠张九旭               | 高适(191)  |
| 玉台观                  | 杜甫(192)  |
| 观李固请司马弟山水图           | 杜甫(193)  |
| 旅夜书怀                 | 杜甫(195)  |
| 登岳阳楼                 | 杜甫(196)  |
| 江南旅情                 | 祖咏(197)  |
| 宿龙兴寺                 | 綦毋潜(198) |
| 题破山寺后禅院              | 常建(199)  |
| 题松汀驿                 | 张祜(200)  |
| 圣果寺                  | 释处默(201) |
| 野望                   | 王绩(202)  |
| 送崔著作东征               | 陈子昂(203) |
| 陪诸贵公子丈八沟携妓纳凉晚际遇雨(其一) | 杜甫(204)  |
| 陪诸贵公子丈八沟携妓纳凉晚际遇雨(其二) | 杜甫(205)  |
| 宿云门寺阁                | 孙逖(206)  |
| 秋登宣城谢朓北楼             | 李白(207)  |
| 临洞庭上张丞相              | 孟浩然(208) |
| 过香积寺                 | 王维(209)  |
| 送郑侍御谪闽中              | 高适(210)  |
| 秦州杂诗                 | 杜甫(211)  |

|          |          |
|----------|----------|
| 禹庙       | 杜甫(212)  |
| 望秦川      | 李颀(213)  |
| 同王征君洞庭有怀 | 张谓(214)  |
| 渡扬子江     | 丁仙芝(215) |
| 幽州夜饮     | 张说(216)  |

## 附录

|      |       |
|------|-------|
| 作者简介 | (219) |
|------|-------|

# 七言绝句



# 春 日 偶 成<sup>(1)</sup>

程 颖

云淡风轻近午天<sup>(2)</sup>，傍花随柳过前川<sup>(3)</sup>。  
时人不识余心乐，将谓偷闲学少年<sup>(4)</sup>。

## 【注释】

(1) 偶成：偶然作成，意为即兴而作。

(2) 午天：正午时候。

(3) 傍：靠近。

(4) 将谓：当以为。

## 【简评】

此诗写得平易自然、蕴意深远，颇耐人回味。首二句描绘出一幅风和日丽的春日图画，衬托出诗人自得其乐的心情；后二句出以议论，更突出地表现了诗人所具有的闲情逸致。全诗在写景抒怀中含有理趣，表达了理学家对自然平淡心境的追求，笔法灵活，风格朴素，是一篇难得的佳作。

# 春 日

朱 熹

胜日寻芳泗水滨<sup>(1)</sup>，无边光景一时新。  
等闲识得东风面，万紫千红总是春。